(व्याकरण)

Page :
Date : / /

विकारी शब्द (संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण)
परिभाषाऐं, भेद एवं उदाहरण

(परिभाषा)

विकारी, ऐसे शब्द को कहते हैं, जिसके रूप में लिंग, वचन, पुरुष, कारक इत्यादि के कारण विकार उत्पन्न होता है।

उदाहरण → मैं, मुझे, अच्छा, अच्छे, खाती है, खाते हैं। आदि।

विकारी शब्द के चार भेद हैं-

1) संज्ञा।
2) सर्वनाम।
3) विशेषण।
4) क्रिया।

(P.1)

(1)

1) संज्ञा की परिभाषा, भेद एवं उदाहरण।

(परिभाषा)

किसी भी व्यक्ति, वस्तु, जाति, भाव या स्थान के नाम को 'संज्ञा' कहते हैं।
उदाहरण - मनुष्य, राम, भारत, कलम, मिठास, बुढ़ापा आदि।

संज्ञा के भेद - वस्तु और धर्म के आधार पर संज्ञा के पाँच होते हैं।

1) व्यक्तिवाचक संज्ञा - जिस शब्द से किसी एक व्यक्ति, वस्तु या स्थान का बोध हो उसे 'व्यक्तिवाचक संज्ञा' कहते हैं।
उदाहरण - राम, गाँधीजी, काशी, गंगा इत्यादि।
यहाँ राम, गाँधीजी, काशी, गंगा कहने से केवल एक विशेष व्यक्ति, स्थान एवं नदी विशेष का बोध होता है।

2) जातिवाचक संज्ञा - जिस शब्द से एक ही प्रकार की सब वस्तुओं अथवा व्यक्तियों का बोध हो, उसे 'जातिवाचक संज्ञा' कहते हैं।
उदाहरण - मनुष्य, नदी, पहाड़, घोड़ा, पुस्तक आदि।

(P.2)

"Do not say, 'It is morning,' and dismiss it with a name of yesterday. See it for the first time as a newborn child that has no name." —Rabindranath Tagore

Date __/__/__ Page No.: ____

3) **भाववाचक संज्ञा** - जिस संज्ञा-शब्द से व्यक्ति या वस्तु के गुण या धर्म, दशा अथवा व्यापार का बोध हो, उसे 'भाववाचक संज्ञा कहते हैं। उदाहरण - लम्बाई, नम्रता, बुढ़ापा, मिठास इत्यादि।

(4) **समूहवाचक संज्ञा** - जिस संज्ञा से वस्तु अथवा व्यक्ति के समूह का बोध हो, उसे समूहवाचक संज्ञा कहते हैं।
उदाहरण - सभा, दल, गिरोह, गुच्छा, मंडल आदि।

(5) **द्रव्यवाचक संज्ञा** - जिस संज्ञा शब्द से नाप-तौल वाली वस्तु का बोध हो, उसे द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं। उदाहरण - लोहा, सोना, चाँदी, दूध, पानी, तेल आदि।

"You must be the change you want to see in the world." —Mahatma Gandhi

Date __/__/____ Page No.: _____

2. सर्वनाम

परिभाषा - संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द 'सर्वनाम' कहलाते हैं। उदाहरण - मैं, तुम, हम, वह, यह आदि।

सर्वनाम के भेद - प्रयोग की दृष्टि से सर्वनाम के 6 भेद हैं - (1) पुरुषवाचक सर्वनाम।
(2) निजवाचक सर्वनाम।
(3) निश्चयवाचक सर्वनाम।
(4) अनिश्चयवाचक सर्वनाम।
(5) सम्बन्धवाचक सर्वनाम।
(6) प्रश्नवाचक सर्वनाम।

(1) **पुरुषवाचक सर्वनाम** — जो सर्वनाम वक्ता (बोलनेवाले), श्रोता (सुननेवाले) तथा किसी अन्य के लिए प्रयुक्त होता है, उसे पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं। इसके तीन भेद हैं - (i) उत्तमपुरुष — मैं, हम।
(ii) मध्यमपुरुष — तू, तुम, आप।
(iii) अन्यपुरुष — वह, वे, यह, ये।

(2) **निजवाचक सर्वनाम** - जो सर्वनाम तीनों पुरुषों (उत्तम, मध्यम और अन्य) में निजत्व का बोध कराता है, उसे निजवाचक सर्वनाम कहते हैं। यथा (1) मैं ख़ुद लिख लूंगा। (2) तुम स्वयं चले जाओ।

Date __/__/____ Page No.: _____

③ मैं अपना काम स्वयं करता हूँ।
④ मैं अपनी गाड़ी जाऊँगा। आदि।

③ निश्चयवाचक सर्वनाम – जो सर्वनाम निकट या दूर की वस्तु की ओर संकेत करे, उसे 'निश्चयवाचक सर्वनाम' कहते हैं।
यथा – 1) यह मेरी पुस्तक है।
2) वह माधव की गाय है।

④ अनिश्चयवाचक सर्वनाम - जिस सर्वनाम से किसी व्यक्ति या पदार्थ का निश्चित बोध नहीं होता है, उसे 'अनिश्चयवाचक सर्वनाम' कहते हैं। यथा - ① कोई आ रहा है।
② उसने कुछ नहीं खाया।

⑤ सम्बन्धवाचक सर्वनाम - जिस सर्वनाम से वाक्य में किसी दूसरे सर्वनाम से सम्बन्ध स्थापित किया जाए, उसे सम्बन्धवाचक सर्वनाम कहते हैं। यथा ① जो कर्म करेगा फल उसी को मिलेगा।
② वह जो न करे, सो थोड़ा है।

⑥ प्रश्नवाचक सर्वनाम - प्रश्न करने के लिए जिन सर्वनामों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं।
उदाहरण – 1) तुम क्या खा रहे हो?
2) वहाँ कौन खड़ा है?

Page :
Date : / /

3. (क्रिया)

(परिभाषा)

जिस शब्द से किसी काम का करना या होना समझा जाय, उसे 'क्रिया' कहते हैं। उदाहरण - पढ़ना, लिखना, खाना, पीना, जाना इत्यादि।
(क्रिया भी विकारी शब्द है क्योंकि इसका रूप लिंग, वचन और पुरुष के अनुसार बदल जाता है)
क्रिया के भेद - ① कर्म के अनुसार या रचना की दृष्टि से क्रिया के दो भेद हैं -
अ) अकर्मक क्रिया और ब) सकर्मक क्रिया।

अ) अकर्मक क्रिया - जिन क्रियाओं का प्रभाव केवल कर्ता पर पड़ता है, वे अकर्मक क्रियाएँ कहलाती हैं। उदाहरण - 'श्याम सोता है।'
स्पष्टीकरण - उपर्युक्त वाक्य में 'सोना' क्रिया अकर्मक है। क्योंकि श्याम 'कर्ता' है और 'सोने' की क्रिया उसी के द्वारा पूरी होती है।

ब) सकर्मक क्रिया - जिन क्रियाओं का कर्म होता है, वे सकर्मक क्रियाएँ कहलाती हैं। यथा -
1) श्याम आम खाता है।
2) वह पुस्तक पढ़ता है।

Page :
Date : / /

4. विशेषण

परिभाषा - जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताता है, उसे विशेषण कहते हैं और जिसकी विशेषता बताई जाती है, उसे विशेष्य कहते हैं।
उदाहरण - बड़ा, लम्बा, भारी, सुन्दर, कायर आदि।

विशेषण के भेद — विशेषण के मुख्यतः 4 भेद होते हैं -

1) **गुणवाचक विशेषण** - जिस शब्द से संज्ञा या सर्वनाम का गुण, दशा, स्वभाव आदि का पता चले, उसे 'गुणवाचक विशेषण' कहते हैं।
उदाहरण - नया, प्राचीन, भारतीय, लाल, उचित, काला, चौकोर, सच्चा आदि।

2) **सार्वनामिक विशेषण** — जो सर्वनाम संज्ञा से पहले आएँ तथा विशेषण की तरह उस संज्ञा शब्द की विशेषता बताएँ, तो वे शब्द सार्वनामिक विशेषण कहलाते हैं।
उदाहरण - 1) यह लड़का कक्षा में प्रथम आता है।
2) वह नौकर नहीं आया।

3) **संख्यावाचक विशेषण** - जिन शब्दों से संज्ञा या सर्वनाम की संख्या का बोध हो, उन्हें संख्यावाचक विशेषण कहते हैं। यह निश्चित और अनिश्चित दो प्रकार होता है। निश्चित में वस्तु की निश्चित संख्या का बोध होता है। यथा - एक लड़का, पच्चीस रुपये, सौ घोड़े आदि। (P.7)

अनिश्चित वाचक में वस्तु की संख्या अनिश्चित रहती है। जैसे - कुछ लोग, सब लोग आदि।

(4) परिमाण वाचक विशेषण। - यह संख्या या सर्वनाम शब्द की नाप या तौल का बोध कराता है। जैसे- तोला भर सोना, सवा-सेर दूध, चार गज मलमल, बहुत-सारा धन आदि।

—x— (P.8)